आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव अँचल

वर्ष 47 अंक 01 (प्रति रविवार) इंदौर, 24 सितम्बर से 30 सितम्बर 2023 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

सुप्रीम कोर्ट जज बोले- कानून सरल भाषा में होना चाहिए

कोर्ट के फैसले भी आसान भाषा में हों, जिससे लोग समझें और उल्लंघन से बचें

नई दिल्ली (एजेंसी)। *सुप्रीम कोर्ट ने कानूनी पेशे में सरल भाषा के इस्तेमाल की बात कही है, ताकि आम आदमी को इसे समझने में आसानी हो। रविवार 24 सितंबर को शीर्ष कोर्ट ने ये भी कहा कि कानून के आसान भाषा में होने से लोग भी सोच-समझकर फैसला लेंगे और किसी भी तरह के उल्लंघन से बच पाएंगे। कानून हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होते हैं, ये हमें कंट्रोल करते हैं। इसलिए इनकी*

भाषा आसान होनी चाहिए।

जस्टिस संजीव खन्ना ने इंटरनेशनल लॉयर कॉन्फ्रेंस में स्पीच के दौरान यह कमेंट किया। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने कॉन्फ्रेंस आयोजित की थी। जस्टिस खन्ना ने ये भी कहा कि यह बात हमारी बहस

और फैसलों पर भी लागू होती है। क्या लॉ एक पहेली है, जिसे सॉल्व करने की जरूरत है। कानून विवादों को सुलझाने के लिए हैं, ना कि खुद विवादित बनने के लिए। कानून देश के नागरिकों के लिए रहस्य नहीं होना चाहिए।

मनमानी फीस वसूली न्याय के रास्ते में बाधा

जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि मुकदमेबाजी और कानूनी पेशे का बिजनेस चिंता का विषय है। मुकदमे की बढ़ती लागत और वकीलों की मनमानी फीस की वजह से कई लोगों को न्याय नहीं मिलता। यह इंसाफ के रास्ते में बड़ी बाधा है। हमें सुनिश्चित करना होगा कि न्याय सभी के लिए सुलभ रहे। इस पेशे से जुड़े लोग आत्मनिरीक्षण करें।

जस्टिस खन्ना ने ये भी कहा कि कानूनी पेशे की कुछ परंपराओं को फिर से जीवित करने और बचाए रखने के लिए हमें खुद को जिंदा रखना होगा। इस दौरान उन्होंने युवा वकीलों को कम रिटेनरशिप या वजीफा देने का मुद्दा भी उठाया।

जस्टिस खन्ना ने कहा कि जैसे विवाद इंसानों के लिए सामान्य हैं, वैसे ही समाधान भी सामान्य हैं। अगर हम सीमा पार व्यापार करते हैं, ऐसे में विवाद होना सामान्य बात है। ऐसे मामलों में निपटारे के लिए इंटरनेशनल लॉ की जरूरत होती है। साथ ही कई ऐसे नियमों की जरूरत भी होती है, जो आसान एग्जीक्यूशन सुनिश्चित करें।

भागवत बोले- दलितों के बीच जाकर ज्यादा काम करें कार्यकर्ता

गुरुद्वारा, चर्च और मस्जिदों में भी जाएं

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत का 3 दिवसीय प्रवास का रविवार 24 सितंबर को आखिरी दिन है। प्रवास के दूसरे दिन भागवत ने कार्यकर्ताओं से दलित और गैर हिंदुओं के बीच जाकर ज्यादा काम करने को कहा। साथ ही गुरुद्वारा, चर्च और मस्जिदों में जाकर लोगों से संपर्क करने की बात भी कही। शनिवार 23 सितंबर को भागवत ने अवध प्रांत के पदाधिकारियों और प्रचारकों के साथ बैठक की। साल 2025 संघ का शताब्दी वर्ष है। तब तक भारत के हर गांव में संघ की शाखा खड़ी करने का लक्ष्य रखा गया। शताब्दी वर्ष को लेकर संघ की योजना पर मंथन किया। संघ प्रमुख ने शताब्दी वर्ष में हर गांव में संघ की शाखा और मिलन कार्यक्रम को लेकर योजना तैयार करने के निर्देश दिए। लखनऊ में भागवत की मौजूदगी में हुई बैठक में 26 जिलों की कार्यकारिणी शामिल हुई। अब दलितों तक अपनी पहुंच बढ़ाने की तैयारी- भागवत के इस दौरे को दलितों तक अपनी पहुंच बढ़ाने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। दलित बस्तियों में शाखाएं लगाने जैसे कामग उनकी समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने के लिए कैंप लगाने की भी योजना तैयार की जा रही है, ताकि दलित और आदिवासी बस्तियों में आरएसएस का प्रचार-प्रसार किया जा सके। यह योजना भी बनाई जा रही है कि जो अब तक अछूते हैं और मूलभूत सुविधाएं नहीं मिलींग उन तक ये सब पहुंचाया जाए।

कनाडा के भारतवंशी सांसद बोले- हिंदू-कनाडाई लोगों में डर

खूनखराबा तक हो सकता है, पन्नू खुलेआम धमकाता है कि भारत लौट जाओ

ओटावा (एजेंसी)। आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारत-कनाडा के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। इस बीच कनाडा की सत्ताधारी लिबरल पार्टी के सांसद का कहना है कि देश में रह रहे हिंदू-कनाडाई लोगों में डर है। भारतवंशी सांसद चंद्र आर्य ने कहा- खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू खुलेआम हिंदू-कनाडाई लोगों को धमकी देता है कि वो भारत लौट जाएं। आर्य ने खालिस्तानी आतंकियों पर लगाम न कसने के लिए अपनी ही सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

सीबीसी न्यूज से बात करते हुए आर्य ने कहा- प्रधानमंत्री ट्रूडो के बयान के बाद जो हुआ उसके परिणाम को लेकर मैं ज्यादा चिंतित हूं। मेरी चिंता हिंदू-कनाडाई लोगों की सुरक्षा से जुड़ी है। ये लोग डर के साए में जी रहे हैं।

खालिस्तान मूवमेंट का इतिहास- खालिस्तान मूवमेंट का इतिहास हिंसा और हत्याओं से भरा हुआ है। खालिस्तानी आतंकियों ने हजारों हिंदू और सिख लोगों की हत्या की थी। 38 साल पहले खालिस्तानी आतंकियों ने एअर इंडिया की फ्लाइट-182 में सवार 329 बेगुनाह लोगों की जान ली थी, लेकिन आज भी कनाडा में रहने वाले कुछ लोग इन आतंकियों की पूजा करते हैं। हत्या का सेलिब्रेशन- कुछ महीने पहले

टोरंटो में एक झांकी निकाली गई थी। इसमें भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या को दिखाया गया था। सफेद साड़ी वाले इंदिरा गांधी के कटआउट पर खून था, दो हत्यारे उनकी तरफ गन ताने खड़े थे। ये झांकी जिस परेड में दिखाई गई उसे पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया गया था। आर्य ने कहा- किसी भी देश के प्रमुख की हत्या का पब्लिक डिस्प्ले और सेलिब्रेशन गलत है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर ऐसा करना सही नहीं है। ये आतंकवाद है। हेट क्राइम- खालिस्तान समर्थक आतंकी और सिख फॉर जस्टिस प्रमुख आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वीडियो जारी करके भारतीय मूल के हिंदुओं को कनाडा छोड़कर वापस जाने की धमकी दी थी। वीडियो में उसने कहा- हिंदुओं का देश भारत है और वे कनाडा को छोड़कर इंडिया लौट जाएं। कनाडा में वही सिख रहेंगे, जो खालिस्तान समर्थक हैं। आर्य ने कहा- ये हेट क्राइम है और बिना किसी रोक-टोक के किया जा रहा है।

प्रियंका चतुर्वेदी ने राज्यसभा सभापति को चिट्ठी लिखी, कहा- महिला विजिटर्स की राजनीतिक नारेबाजी से सदन की गरिमा भंग हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव गुट) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ को चिट्ठी लिखी है। इसमें 21 सितंबर को संसदीय कार्यवाही के दौरान महिला विजिटर्स की तरफ से की गई नारेबाजी पर एक्शन की मांग की है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में महिला आरक्षण बिल पर चर्चा के वक्त सांसदों की तरफ से बुलाई गई कुछ महिलाओं ने राजनीतिक नारेबाजी की थी। प्रियंका ने इस पत्र की जानकारी देते हुए बताया कि महिला विजिटर्स सांसदों के न्योते पर आई थीं। किसी भी विजिटर को संसदीय कार्यवाही के दौरान बात करने की अनुमति नहीं होती। मुझे खेद है कि पार्लियामेंट में इतनी सिक्योरिटी होने के बावजूद कुछ महिलाओं ने नारेबाजी की। इस घटना से रूल 264 का उल्लंघन होता है।

संपादकीय

महिला आरक्षण और जातीय जनगणना

महिला आरक्षण बिल पास होने के बाद अब जातीय जनगणना की मांग जोर पकड़ने लगी है। बिहार सरकार पहले ही जातीय जनगणना कर चुकी है। अभी उसका खुलासा नहीं हुआ है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से जातीय जनगणना कराने की मांग की है। इसके पहले भी इंडिया गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों द्वारा समय-समय पर जातीय जनगणना शुरू करने का दबाव केंद्र सरकार पर बना रहे है। महिला आरक्षण बिल दोनों सदनों से सर्वसम्मति से पास हो जाने के बाद, अब राजनीतिक दलों में जाति जनगणना का सरकार पर दबाव बनाकर चुनौती दी जा रही। लोकसभा चुनाव 2024 को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने महिला आरक्षण बिल लाकर महिलाओं के समर्थन पाने का जो सपना देखा था। किसी भी राजनीतिक दल द्वारा उसका विरोध नहीं किया गया। सभी राजनीतिक दलों ने महिला आरक्षण बिल का समर्थन करते हुए पिछड़ा वर्ग एसटी,एससी और अल्पसंख्यक को आरक्षण देने की मांग तेज कर दी है। हिंदुत्व की काट के लिए विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण में भी सभी वर्गों की महिलाओं को संसद और विधानसभा में उनकी संख्या के आधार पर अनुपातिक स्थान मिले। इसकी नई लड़ाई राजनै?तिक दलों में शुरू हो गई है। राहुल गांधी ने संसद के अंदर भारत के 90 कैबिनेट सचिवों में से मात्र 3 सचिव पिछड़ा वर्ग के होने की बात कहकर पिछड़ा वर्ग का जो उत्पीड़न हो रहा है। इस पर सारे देश का ध्यान आकर्षित करते हुए पिछड़े वर्ग का समर्थन पाने की लड़ाई तेज कर दी है। पंचायती राज अधिनियम में जिस तरह से महिलाओं को वर्ग बार आरक्षण दिया गया है। इसी तरह का आरक्षण त्व?रित रुप से लागू करने की मांग को लेकर सरकार और भाजपा पर दबाव बनाया जा रहा है। महिला आरक्षण बिल पास होने के बाद सभी राजनीतिक दलों की महिलाओं में एक नई स्फूर्ति देखने को मिल रही है। भारतीय जनता पार्टी में भी पिछड़े वर्ग के नेता और कार्यकर्ता सक्रिय हो गए हैं। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने भी महिला आरक्षण में पिछड़े वर्ग की महिलाओं को आरक्षण देने की मांग तेज कर दी है। मध्य प्रदेश में पिछड़े वर्ग की आबादी 50 फीसदी बताई जा रही है। इसको ध्यान में रखते हुए उन्होंने पृथक बुंदेलखंड राज्य की मांग करके अपनी ही पार्टी के ऊपर भारी दबाव बना दिया है। उमा भारती ने 50 फीसदी ?टिकटें ?पिछड़ों को देने की मांग कर भाजपा नेतृत्व के ?लिये परेशानी बढ़ा दी है। कांग्रेस और भाजपा ही नहीं वरन देशभर की सभी राजनीतिक पार्टियों में पिछड़े वर्ग को आरक्षण का लाभ दिलाने के लिए अब दबाव बनाना शुरू हो गया है। इसके साथ ही जाति आधार पर ध्रुवीकरण की एक नई राजनीतिक प्रक्रिया पूरे देश में शुरू हो गई है। इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दलों का मानना है कि हिंदुत्व के नाम पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा जो खेल खेला जा रहा था। उसकी काट जाति जनगणना के माध्यम से ही पूरी की जा सकती है। 1990 के दशक में भी मंडल-कमंडल के माध्यम से यह प्रयास हुआ था। उसे समय मंडल के ऊपर कमंडल भारी पड़ गया था। मंडल के राजनीतिक दल एकजुट होकर नहीं रहे। कमंडल केवल भाजपा लेकर आगे बढ़ रही थी। राम मं?दिर के नाम पर ?हिन्दुत्व का लाभ पिछले 30 वर्षों में भारतीय जनता पार्टी को मिला है। हिंदुत्व के नाम पर दलित, एसटी-एससी और आदिवासी भारतीय जनता पार्टी के बैनर तले आ गए थे। अब हिंदुओं के बीच में भी जाति के आधार और जाति आरक्षण के नाम पर एक नए बंटवारे की शुरुआत देश में विपक्षी गठबंधन इंडिया के राजनीतिक दलों ने कर दी है। यह ऐसे समय पर की गई है, जब महंगाई बेरोजगारी आर्थिक मंदी से लोगों में नाराजी हैं। सब अपने अपने हितों के संवर्धन तथा राजनीतिक दलों में अपनी हिस्सेदारी सरकार के पदों और सरकार के राजस्व पर हिस्सेदारी की मांग करने के लिए एकजुट हो रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी अभी सत्ता में है। निश्चित रूप से सारा गुस्सा उसी के ऊपर फूटेगा। हिंदुओं के मतों में बंटवारा होता है तो इसका नुकसान भी भाजपा को ही होने वाला है। महिला आरक्षण बिल का जो सांप पिटारे से निकल गया है। उसको ?नियं?त्रित करने का मंत्र भारतीय जनता पार्टी जानती है या नहीं, यह कहना मुश्किल है।

बढ़ता ई-कचरा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के लिये खतरा

-ललित गर्ग -

लगातार बढ़ रहा ई-कचरा न केवल भारत के लिये बल्कि समूची दुनिया के बड़ा पर्यावरण, प्रकृति एवं स्वास्थ्य खतरा है। ई-कचरा से तात्पर्य उन सभी इलेक्ट्रानिक और इलेक्ट्रिकल उपकरणों (ईईई) तथा उनके पाट्र्स से है, जो उपभोगकर्ता द्वारा दोबारा इस्तेमाल में नहीं लाया जाता। ग्लोबल ई-वेस्ट मानिटर-2020 के मुताबिक चीन और अमेरिका के बाद भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा ई-वेस्ट उत्पादक है। चूंकि इलेक्ट्रिक्ल और इलेक्ट्रानिक उपकरणों को बनाने में खतरनाक पदार्थों (शीशा, पारा, कैडमियम आदि) का इस्तेमाल होता है, जिसका मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर दुष्प्रभाव पड़ता है। दुनियाभर में इस तरह से उत्पन्न हो रहा ई-कचरा एक ज्वलंत समस्या के रूप में सामने आ रहा है। पारा, कैडमियम, सीसा, पॉलीब्रोमिनेटेड फ्लेम रिटार्डेंट्स, बेरियम, लिथियम आदि ई-कचरे के जहरीले अवशेष मानव स्वास्थ्य के लिए बहुत खतरनाक होते हैं इन विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आने पर मनुष्य के हृदय, यकृत, मस्तिष्क, गुर्दे और कंकाल प्रणाली की क्षति होती है। इसके अलावा, यह ई-वेस्ट मिट्टी और भूजल को भी दूषित करता है। ई-उत्पादों की अंधी दौड़ ने एक अन्तहीन समस्या को जन्म दिया है। शुद्ध साध्य के लिये शुद्ध साधन अपनाने की बात इसीलिये जरूरी है कि प्राप्त ई-साधनों का प्रयोग सही दिशा में सही लक्ष्य के साथ किया जाये, पदार्थ संयम के साथ इच्छा संयम हो।

आज दुनिया के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं, जिसमें से ई-वेस्ट एक नई उभरती विकराल एवं विध्वंसक समस्या भी है। दुनिया में हर साल 3 से 5 करोड़ टन ई-वेस्ट पैदा हो रहा है। ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर के मुताबिक भारत सालाना करीब 20 लाख टन ई-वेस्ट पैदा करता है और अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी के बाद ई-वेस्ट उत्पादक देशों में 5वें स्थान पर है। ई-वेस्ट के निपटारे में भारत काफी पीछे है, जहां केवल 0.003 मीट्रिक टन का निपटारा ही किया जाता है। यूएन के मुताबिक, दुनिया के हर व्यक्ति ने साल 2021 में 7.6 किलो ई-वेस्ट डंप किया। भारत में हर साल लगभग 25 करोड़ मोबाइल ई-वेस्ट हो रहे हैं। ये आंकड़ा हर किसी को चौंकाता है एवं चिंता का बड़ा कारण बन रहा है, क्योंकि इनसे कैंसर और डीएनए डैमेज जैसी बीमारियों के साथ कृषि उत्पाद एवं पर्यावरण के सम्मुख गंभीर खतरा भी बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, ई-कचरे से निकलने वाले जहरीले पदार्थों के सीधे संपर्क से स्वास्थ्य जोखिम हो सकता है।

दुनिया भर में इलेक्ट्रॉनिक कचरे के बढ़ने की सबसे बड़ी वजह इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की तेजी से बढ़ती खपत है। आज हम जिन इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को अपनाते जा रहे हैं उनका जीवन काल छोटा होता है। इस वजह से इन्हें जल्द फेंक दिया जाता है। जैसे ही कोई नई टेक्नोलॉजी आती है, पुराने को फेंक दिया जाता है। इसके साथ ही कई देशों में इन उत्पादों के मरम्मत और रिसायक्लिंग की सीमित व्यवस्था है या बहुत महंगी है। ऐसे में जैसे ही कोई उत्पाद खराब होता है लोग उसे ठीक कराने की जगह बदलना ज्यादा पसंद करते हैं। साल 2021 में डेफ्ट यूनिवर्सिटी आफ टेक्नोलाजी द्वारा किए गए सर्वेक्षण में फोन बदलने का सबसे बड़ा कारण साफ्टवेयर का धीमा होना और बैटरी में गिरावट रहा। दूसरा बड़ा कारण, नये फोन के प्रति आकर्षण था। कंपनियों की मार्केटिंग और दोस्तों द्वारा हर साल फोन बदलने की आदतों से भी प्रभावित होकर भी लोग नया फोन ले लेते हैं, जबकि इसकी जरूरत नहीं होती। इस वजह से भी ई-कचरे में इजाफा हो रहा है। एक अन्य आंकड़े के मुताबिक अगर साल 2019 में उत्पादित कुल इलेक्ट्रॉनिक कचरे को रिसायकल कर लिया गया होता वो करीब 425,833 करोड़ रुपए का फायदा देता। यह आंकड़ा दुनिया के कई देशों के जीडीपी से भी ज्यादा है। यूनाइटेड नेशंस यूनिवर्सिटी की ओर से जारी 'ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर 2020 रिपोर्ट के मुताबिक साल 2019 में दुनिया में 5.36 करोड़ मीट्रिक टन ई-कचरा पैदा हुआ था। अनुमान है कि साल 2030 तक इस वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक कचरे में तकरीबन 38 प्रतिशत तक वृद्धि हो जाएगी। अब आप अंदाजा लगा सकते हैं कि यह समस्या कितनी बड़ी है और आने वाले समय में यह और कितना बढ़ने वाली है। बात अगर दिल्ली की करें तो यहां हर साल 2 लाख टन ई-कचरा पैदा होता है। हालांकि, इसे वैज्ञानिक और सुरक्षित तरीके से हैंडल नहीं किया जा रहा है। इससे आग लगने जैसी कई जानलेवा घटनाएं हो चुकी हैं, जो दिल्ली के निवासियों और कूड़ा उठाने वालों के स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। इसी क्रम में अभी हाल ही में दिल्ली सरकार ने घोषणा की है कि दिल्ली में भारत का पहला ई-कचरा इको-पार्क खोला जायेगा। 20 एकड़ में बनने वाले इस पार्क में बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक सामान, लैपटॉप, चार्जर, मोबाइल और पीसी से अनूठे एवं दर्शनीय चीजों को निर्मित किया जायेगा। इसी कड़ी में कानपुर में ई-वेस्ट प्रबंधन का एक बेहतरीन मॉडल सामने आया है। यहां जयपुर के एक कलाकार ने ई-वेस्ट से 10 फीट लंबी मूर्ति बनाई है। इसे बनाने में 250 डेस्कटॉप और 200 मदरबोर्ड, केबल और ऐसी अनेक खराब इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का इस्तेमाल किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट का जिक्र किया था। उन्होंने लोगों से आह्वान किया था कि पर्यावरण को बचाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक-कचरे का प्रभावी प्रबंधन करना होगा। गौरतलब है कि भारत में साल 2011 से ही इलेक्ट्रॉनिक कचरे के प्रबंधन से जुड़ा नियम लागू है। बाद में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा ई-कचरा (प्रबंधन) नियम, 2016 लागू किया गया था। इस नियम के तहत पहली बार इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के निर्माताओं को विस्तारित निर्माता जिम्मेदारी के दायरे में लाया गया। नियम के अंतर्गत उत्पादकों को ई-कचरे के संग्रहण तथा आदान-प्रदान के लिये उत्तरदायी बनाया गया है और उल्लंघन की स्थिति में दंड का प्रावधान भी किया गया है। अगर आप चाहते हैं कि ई-वेस्ट को कम किया जाए, तो इसके लिए जरूरी है कि चीजों की रिसाइक्लिंग की जाए। किसी पुराने मोबाइल या कंप्यूटर आदि को रिसाइकल किया जाए और इनका फिर से इस्तेमाल हो। कई लोग या कंपनियां अपने पुराने लैपटॉप, कंप्यूटर या मोबाइल को वेस्ट कर देते हैं, जो ई-वेस्ट के रूप में सामने आते हैं। लेकिन आप ऐसे में इसे किसी जरूरतमंद को दे सकते हैं। इसके लिये लायंस क्लब इन्टरनेशनल-डिस्ट्रिक-321-ए ने अनूठी एवं अनुकरणीय पहल करते हुए ई-अवशेषों एवं वेस्ट को एकत्र कर रही है। अन्य जनसेवी संस्थाएं भी ऐसे सराहनीय उपक्रम कर रही है, आप ऐसे किसी एनजीओ या किसी छोटी कंपनी आदि को पुराने मोबाइल, लैपटॉप आदि दे सकते हैं। जरूरत तो इस बात की है कि आपको अपने पुराने मोबाइल, लैपटॉप, कंप्यूटर आदि को तब तक इस्तेमाल करना चाहिए, जब तक यह संभव हो सके।

भारत सरकार ई-कचरे के निपटारे के लिए प्रबंधन नीति लाई थी, लेकिन वह कारगर नहीं साबित हुई और अब रिसाइकल इंसेंटिव के साथ नई नीति ला रही है। ताकि ई-निर्माण इकाइयां ई-वेस्ट का रिसाइकल करने और पर्यावरण बचाव के प्रति जवाबदेह हो सकें। मौजूदा समय देश में यह काम बड़े स्तर पर असंगठित क्षेत्र द्वारा किया जाता है, जहां ई-वेस्ट का निपटारा गलत एवं अवैज्ञानिक तरीकों से किया जा रहा है। सरकार ने ई-कचरा (प्रबंधन) नियम-2022 अधिसूचित किया है, जो प्रत्येक विनिर्माता, उत्पादक, रिफर्बिसर, डिस्मैंटलर और ई-वेस्ट रिसाइकलर पर लागू होगा। ई-वेस्ट अर्थात इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट को लेकर केंद्र सरकार सख्त है और इसे लेकर केंद्र सरकार ने नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। दिशानिर्देशों के अनुसार अब जो भी ई-वेस्ट पैदा करेगा उन्हें उसे नष्ट करने की जिम्मेदारी भी उठानी होगी। नए नियमों के तहत इस जिम्मेदारी को न उठाने वालों से सख्ती से निपटा भी जाएंगा, जिसमें उन्हें जुर्माना और जेल दोनों ही भुगतना करना पड़ सकता है।

आगामी इंडिया स्मार्ट सिटी अवॉर्ड कॉन्टेस्ट कार्यक्रम एवं मतदाता जागरूकता अभियान के संबंध में स्मार्ट रिले

नागरिकों को मतदान के लिए किया जागरूक, कलेक्टर ने दिलाई मतदान की शपथ

इंदौर। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त श्रीमती हर्षिका सिंह ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा आगामी 26 एवं 27 सितम्बर 2023 को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत इंडिया स्मार्ट सिटी अवार्ड कान्टेस्ट कार्यक्रम के पी प्रमोशन एवं मतदाता जागरूकता अभियान को दृष्टिगत रखते हुए, रविवार प्रातः 6ः30 बजे निगम प्रशासन, जिला प्रशासन एवं स्मार्ट सिटी के संयुक्त तत्वाधान में राजबाड़ा से वाकेथान, गांधी हॉल से बाइक रैली एवं 56 दुकान से साइक्लोथान आयोजित हुई जिसका समापन कलेक्टर श्री इलैयाराजा की उपस्थिति में गांधी हाल परिसर में हुआ। इस अवसर पर अपर आयुक्त श्री दिव्यांक सिंह, अधीक्षण यंत्री श्री डी आर लोधी, बड़ी संख्या में प्रतिभागी एवं अन्य उपस्थित थे। कलेक्टर श्री इलैयाराजा टी ने कहा कि इंदौर देश में नंबर वन स्मार्ट सिटी है और इंदौर को मतदान में भी नंबर वन बनाने के लिए गांधी हाल परिसर में बड़ी संख्या में उपस्थित युवाओं एवं प्रतिभागियों को मतदान की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा निर्वाचन को दृष्टिगत रखते हुए अधिक से अधिक मतदान हेतु नागरिकों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, निर्वाचन विभाग द्वारा एक मोबाइल एप भी जारी किया गया है जिसके माध्यम से नवीन मतदाता अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं, और कुछ अप के माध्यम से चुनाव के दौरान अपने क्षेत्र के कैंडिडेट की जानकारी भी ले सकते हैं और वोटिंग के दौरान ताजा परिणाम की जानकारी भी ले सकते हैं। आयुक्त श्रीमती हर्षिका सिंह ने बताया कि इंदौर में आयोजित इंडिया स्मार्ट सिटी अवार्ड कान्टेस्ट कार्यक्रम की सेरेमनी के आयोजन में देश के विभिन्न प्रदेशो व शहरो के स्मार्ट सिटी सीईओ, प्रशासनिक अधिकारियो के साथ ही जनप्रतिनिधियों के इंदौर आगमन को दृष्टिगत रखते हुए, इंदौर के जागरूक नागरिकों के सहयोग हेतु आज स्मार्ट रिले का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में शहर के विभिन्न प्रतिभागियों द्वारा पार्टिसिपेट भी किया गया। विदित हो कि इवेंट का संचालन इंदौरी सुबह के नितिन चतुर्वेदी और टीम के द्वारा किया गया, रैली में इंदौर राइडर क्लब बाइकर्स के प्रखर साहू और महू राइडर ग्रुप के ललित पुरोहित की टीम सहित 500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

28 वे नेशनल स्पोर्ट्स टाईम्स अवार्ड समारोह मे अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन

खिलाड़ी सौरभ वर्मा म.प्र खेल रत्न अवार्ड से सम्मानित

इंदौर। बैडमिंटन के अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं तीन बार के पूर्व राष्ट्रीय विजेता धार के सौरभ वर्मा को विगत दिवस 28 वे नेशनल स्पोर्ट्स टाईम्स अवार्ड समारोह भोपाल में म.प्र.खेल रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। नेशनल स्पोर्ट्स टाईम्स द्वारा भोपाल के एलएनसिटी विश्व विद्यालय के सभागृह में आयोजित नेशनल स्पोर्ट्स टाईम्स (एनएसटी अवार्ड) पुरस्कार समारोह के मुख्य अतिथि श्री पी नरहरी, सचिव, खेल और युवा कल्याण विभाग, भोपाल द्वारा सौरभ वर्मा को म.प्र.खेल रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा कार्यक्रम में राहुल सिंह विमल पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी को भी उनकी राष्ट्रीय उपलब्धियों के लिए विशेष एनएसटी पुरस्कार से सम्मानित किया किया गया. कार्यक्रम में प्रदेश की लगभग 32 खेल हस्तियों को सम्मानित किया गया. सौरभ एवं राहुल को उनकी उपलब्धियों के लिए वरिष्ठ बैडमिंटन खिलाड़ीयो एवं पालको ने बधाई प्रेषित कर शुभकामना दी है।

रोड़ से त्रस्त रहवासियों ने लगाए महापौर क्यों हो मिसिंग के सवाल पूछते पोस्टर

इन्दौर। आगामी विधानसभा चुनाव में राजनैतिक दलों द्वारा एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप के लिए जिस पोस्टर संस्कृति को बड़े पैमाने पर अपनाया जा रहा है शायद उससे प्रेरित हो इन्दौर में क्षेत्रीय समस्या से त्रस्त शहर के एक क्षेत्र विशेष के रहवासियों ने निगम की लापरवाही को उजागर करने के लिए महापौर के पोस्टर लगा दिये हैं जिस पर उन्होंने महापौर को लापता बताया है। इंदौर शहर में लगे इन पोस्टरों पर 'भानगढ़ रोड की जनता पुछिंग, महापौर जी क्यों हो मिसिंग?' लिखा हुआ है। मामले में जानकारी देते भानगढ़ क्षेत्र वासियों ने बताया कि क्षेत्र की कई कॉलोनियों के रहवासी मुख्य सड़क के खराब होने से परेशान हैं। महापौर से कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई सुध नहीं ली गई। नगर निगम इंदौर के झोन क्रमांक 5 के अंतर्गत यह भानगढ़ का क्षेत्र आता है जहां रोड की स्थिति खराब होने से लंबे समय से रहवासी परेशान है। बताया यह भी जा रहा है कि यह रोड बहुत समय पहले ही सैंक्शन हो चुकी है लेकिन इस पर काम अब तक नहीं शुरू होने के कारण परेशान रहवासियों का गुस्सा अब इस तरह फूट पड़ा कि क्षेत्र के रहवासियों ने क्षेत्र में पोस्टर लगा दिए जिस पर लिखा है - भानगढ़ रोड की जनता पुछिंग, महापौर जी क्यों हो मिसिंग।

रहवासियों का कहना है कि रोड की हालत इतनी खराब है कि इस पर आए दिन एक्सीडेंट होते हैं, जिस कारण हादसे विवाद और मारपीट की स्थिति बन माहौल खराब होने लगता है। कई बार महापौर और निगम के अधिकारियों से इस सड़क को लेकर शिकायत की हुई है। लेकिन कोई भी इस सड़क को ठीक करने में मदद नहीं कर रहा है। हालांकि पोस्टर लगाने से पहले रहवासियों ने भानगढ़ रोड पर जमकर प्रदर्शन किया, प्रदर्शन स्थल पर एमआईसी सदस्य जीतू यादव ने पहुंचकर रहवासियों को आश्वासन दिया कि इस मुद्दे को वह महापौर के सामने रखेंगे। इसके बाद लोगों ने प्रदर्शन समाप्त किया। और पोस्टर लगाते महापौर हे सवाल पूछा।

मांधाता विधानसभा सीट से बंजारा समाज को टिकट देने की मांग को लेकर कमलनाथ भी चिंतित

इंदौर। मध्य प्रदेश में चुनावी दौर की पारी खेलने की बारी आ गई है भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टी के विधानसभा प्रत्याशी भोपाल से लेकर दिल्ली तक की दौड़ लगा रहे हैं ऐसे में किसी के हाथ आशा तो किसी के हाथ निराशा लगेगी लेकिन पसीना तो बहाना भी जरूरी है वही हम बात करे। मध्य प्रदेश खंडवा जिले की मांधाता विधानसभा सीट की तो यहां बंजारा समाज की संख्या बड़ी तादाद में उपलब्ध है उसके बाद भी चौंकाने वाली बात यह है की भाजपा और कांग्रेस के दोनों पार्टीयों ने मांधाता सीट से बंजारा समाज को चुनाव लडने का मौका नहीं दिया पिछले लंबे समय से मांधाता विधानसभा सीट पर राजपूत और गुर्जर समाज उम्मीदवार रहे माननीय श्री कमलनाथ से मिलने पहुंचे श्री राणा भीमसिंह राठौड़ इसी दौरान देवीसिंह चौहान अध्यक्ष कांग्रेस प्रकोष्ठ संतराम बंजारा महासचिव अमन नायक सबलसिंह नायक सागर कछावा दयाल राठौड़ अजय शर्मा जिला संगठन मंत्री कैलाश बंजारा दौलत पटेल नगीन पटेल सहित बड़ी तादाद में पार्टी के सदस्य मौजूद रहे। बंजारा समाज के वरिष्ठ समाजसेवी श्री राणा ने कहा मांधाता विधानसभा सीट से कांग्रेस पार्टी द्वारा बंजारा समाज को टिकट दिया गया तो वहां का इतिहास रचा जाएगा।

बाईसवें कविता पोस्टर का विमोचन

इंदौर। प्रेस क्लब स्थित सूत्रधार के कविता कोना में शनिवार 23 सितंबर को बाईसवें कविता पोस्टर का विमोचन वरिष्ठ कवि श्री आशुतोष दुबे द्वारा किया गया, पोस्टर में ख्यात कवि श्री कुंवर नारायण की कविता लगाई गई थी। विमोचन के बाद काव्य गोष्ठी में सबसे पहले कुंवर जी के स्वर में उनकी कविताएं सुनवाई गई, तत्पश्चात श्री आशुतोष दुबे ने कुंवर जी की कुछ कविताओं का पाठ किया, श्री प्रदीप कांत, श्री एस.एन.पंचोली,श्री भुवनेश दशोत्तर, श्री दिलीप सिंह राठौर ने भी अपनी-अपनी कविताओं का पाठ किया, श्रीमती किसलय पंचोली ने अपनी लघुकथा का पाठ किया। इस अवसर पर श्री ईश्वरी रावल, श्री ललित भाटी व श्री एस.जे.पंजाबी भी उपस्थित थे।

कोटवारों को सेवानिवृत्ति के समय मिलेंगे एक लाख रुपए

कोटवार परिवार की बहनों को देंगे लाडली बहन योजना का लाभ, कोटवारों को सीयूजी सिम मिलेगी, हर वर्ष होगा सम्मेलन

जिनके पास सेवा भूमि नहीं है उन कोटवारों को 8 हजार रुपए प्रतिमाह मिलेंगे

कोटवारों को मिलेगा स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में कोटवारों को सेवानिवृत्ति के समय एक लाख रुपए की राशि मिलेगी। कोटवारों को मिलने वाली राशि में अब हर साल पांच सौ रुपए बढ़ते चले जायेंगे। ऐसे कोटवार जिनके पास सेवा भूमि नहीं है उन्हें 4 हजार के स्थान पर 8 हजार रुपए प्रतिमाह मिलेंगे। ऐसे कोटवार जिनके पास 3 से 7.5 एकड़ तक सेवा भूमि है उन्हें 600 रुपए प्रतिमाह के स्थान पर 1200 रुपए प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। ऐसे कोटवार जिनके पास 7.5 एकड़ से 10 एकड़ तक सेवा भूमि है उन्हें पर न्यूनतम मानदेय एक हजार रुपए प्रतिमाह मिलेगा। इसमें समय-समय वृद्धि भी होगी। जिनके पास 3 एकड़ तक की सेवा भूमि है उन्हें वर्तमान में मिल रहे एक हजार रुपए के स्थान पर 2000 रुपए प्रतिमाह मिलेंगे।

भोपाल के लाल परेड मैदान में राज्य स्तरीय कोटवार सम्मेलन में कोटवारों के हित में ये घोषणाएँ करते हुए मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ग्राम कोटवार राजस्व प्रशासन के रीढ़ की हड्डी हैं। वे सूचनाओं को अपडेट करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में ओला, पाला, खेतों में इल्ली, सूखा और अन्य आपदाओं की जानकारी देने का महत्वपूर्ण कार्य भी करते हैं। इनके जीवन की कठिनाईयों को दूर करना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ने कहा कि कोटवारों को सीधे मुख्यमंत्री निवास से जोड़कर आवश्यक सूचनाएं प्राप्त करने का माध्यम भी बनाया जाएगा।

इसके लिए विशेष अधिकारी भी नियुक्त किया जाएगा। श्री चौहान ने कहा कि कोटवारों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ दिलवाया जाएगा। उनकी वर्दी का रंग अब खाकी होगा।

कोटवार परिवार की बहन को मिलेगा लाड़ली बहना योजना का लाभ- कोटवार पद पर नियुक्ति के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता से छूट रहेगी। प्रत्येक कोटवार को सीयूजी सिम मिलेगी। इसका रिचार्ज भी राज्य सरकार करेगी। कोटवार परिवार की हर बहन को लाड़ली बहना योजना का लाभ मिलेगा। कोटवारों का प्रतिवर्ष सम्मेलन होगा।

गाँव के गूगल हैं कोटवार- मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोटवार का पद छोटा है लेकिन उनका दायित्व बड़ा है। कोटवार ग्राम देवता हैं। वे गाँव के गूगल हैं। कोटवार की जानकारी के बिना कोई कार्यवाही आगे नहीं बढ़ती। कोटवार से ग्राम की सब जानकारी मिल जाती है। वे इसलिए चलते-फिरते गूगल हैं। सही मायने में कोटवार जमीन से जुड़े हुए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उन्होंने ग्राम में बचपन में जागते रहो की रात के समय आवाजें सुनी हैं। कोटवार इसलिए जागते हैं, सावधान करते रहते हैं, जिससे ग्राम सुरक्षित रहे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोटवार ग्राम में मुनादी का कार्य भी करते हैं। हर विभाग की सही जानकारी कोटवार ही देते हैं। वे जन्म-मृत्यु सूचना भी देते हैं, प्राकृतिक आपदा की बात बताते हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोटवार, सीमांकन का आंकड़ा देते हैं। पुलिस विभाग भी कोटवार से प्राप्त पहली सूचना के आधार पर कार्य करती है।

ग्राम की कुंडली कोटवार के पास रहती है। तहसील में हर महीने बैठक में जानकारी देते हैं। निर्वाचन की ड्यूटी में भी कोटवार मददगार हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान कहा कि राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। संवेदनशील होकर ही किसी भी वर्ग का कल्याण हो सकता है। मुख्यमंत्री लाड़ली योजना बहना भी इस संवेदनशीलता का परिणाम है। कोटवारों का पद कोई छोटा नहीं है। सभी की गरिमा होती है। कोटवार परिवार के महत्वपूर्ण अंग हैं, उनके कष्ट की चिंता करना और समाधान करना मुखिया के नाते मेरा दायित्व है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कोटवारों से आग्रह किया कि आप गांव की चिंता करें और ग्राम को बेहतर बनाएं। कोटवार परिश्रम से कार्य करने वाले भले लोग हैं।

ग्राम की महिला कोटवार ललिया बऊ का भाव पूर्ण स्मरण- मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोटवार जागता था तभी ग्राम चैन की नींद सोता था। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि एक समय ग्राम जैत में महिला कोटवार का जिम्मा संभालने वाली ललिया बऊ को सभी सम्मान देते थे। वे अपनी जिम्मेदारी को अच्छी तरह निभाती थीं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली पंचायत कोटवारों की ही की थी। कुछ समय से विभिन्न स्थानों पर भेंट करने वाले कोटवारों की इच्छा थी कि उनका भी सम्मेलन हो। आज कोटवार पंचायत में प्रदेश के कोटवारों से भेंट हो रही है।

प्रमुख सचिव राजस्व श्री निकुंज श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि सूचनाओं के सम्प्रेषण में कोटवार संलग्न रहते हैं। वे प्राथमिक सहायक की भूमिका निभाते हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, पुलिस और अन्य विभागों के लिए भी वे सहयोगी की भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में श्री रमेश शर्मा, अध्यक्ष मध्यप्रदेश कर्मचारी कल्याण समिति, श्री भगवान दास केवट, अध्यक्ष, मध्यप्रदेश आजाद कोटवार संघ, श्री हरवीर सिंह, श्री मनोहर मेहरा, श्री वीर सिंह, प्रमुख राजस्व आयुक्त श्री संदीप यादव, कलेक्टर भोपाल श्री आशीष सिंह भी उपस्थित थे।

छह विकास पथों की 4590 किलोमीटर सड़कों से जिलों का होगा तेजी से आर्थिक विकास

दिल्ली, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात राजस्थान से बढ़ेगा सीधा संपर्क

***भोपाल।** प्रदेश में बन रहे छह विकास पथों से 4590 किलोमीटर सड़कों के संपर्क में आने वाले जिलों में विकास का दृश्य पूरी तरह बदल जायेगा। मध्यप्रदेश का अन्य राज्यों से सडक संपर्क बढ़ने के साथ ही आर्थिक विकास और व्यापार में भी तेजी से बढ़ेगा।*

चंबल नदी के समान्तर 395 किलोमीटर का अटल प्रगति पथ को केन्द्र सरकार ने भारतमाला परियोजना में सम्मिलित कर लिया गया है। इसका 310 किलोमीटर हिस्सा मध्यप्रदेश से और 85 किलोमीटर राजस्थान से गुजरेगा। लगभग 8000 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जाने वाला यह पथ ग्वालियर-चंबल अंचल के विकास में नये आयाम जोड़ेगा और नई आर्थिक गतिविधियों का रास्ता खोलेगा। माँ नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक से अलीराजपुर होते हुए गुजरात तक 1300 किलोमीटर लंबे नर्मदा प्रगति पथ का बनाया जाना प्रस्तावित है। इससे प्रदेश की हॉरिजॉन्टल इंडस्ट्रियल बैकबोन के रूप में देखा जा रहा है। इस परियोजना के सर्वे का कार्य पूरा हो गया है।

विंध्य एक्सप्रेस-वे- राजधानी भोपाल से प्रदेश की पूर्वी सीमा के दूरस्थ अंचल सिंगरौली को जोड़ने के लिए 676 कि.मी. विंध्य एक्सप्रेस-वे को राज्य सरकार की कार्य-योजना में प्राथमिकता दी गई है। इन मार्गों के दोनों और औद्योगिक कॉरिडोर विकसित कर अंचल और प्रदेश के विकास को गति मिलेगी।

दिल्ली-नागपुर इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर- देश की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में 1062 कि.मी. दिल्ली-नागपुर इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर का 676 कि.मी. हिस्सा मध्यप्रदेश से गुजरेगा । देश के पाँच राज्यों दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान को जोड़ेगा। यह हाई-वे आने वाले वर्धा जिले में सिंधी-डायपोर्ट को कनेक्टविटी देगा। यह भविष्य में व्यापार उद्योग और रोजगार का बड़ा केन्द्र बनेगा। राजधानी दिल्ली को देश की आर्थिक राजधानी से जोड़ने वाले दिल्ली-मुम्बई इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर देश के आर्थिक विकास में नया अध्याय बनेगा। इस 1504 कि.मी. लम्बाई वाला कॉरिडोर मध्यप्रदेश में मंदसौर से अलीराजपुर होकर गुजरेगा। राज्य के देवास, उज्जैन, रतलाम, धार, नीमच, मंदसौर और अलीराजपुर जिलों में औद्योगिक विकास का दृश्य बदल जायेगा। राज्य सरकार दवारा भारत सरकार के सहयोग से 1100 हेक्टेयर एरिया में उज्जैन जिले में विक्रय उद्योगपुरी औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है।

मुम्बई-वाराणासी इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर- आर्थिक राजधानी मुम्बई को आध्यात्मिक राजधानी वाराणसी से जोड़ने वाली महत्वकांक्षी परियोजना है। इस 1345 कि.मी. लंबाई वाले कॉरिडोर का 63 प्रतिशत हिस्सा लगभग 800 कि.मी. एरिया मध्यप्रदेश के 29 जिलों से होकर गुजरेगा। प्रदेश की लगभग 57 प्रतिशत आबादी इस कॉरिडोर से लाभांवित होगी। यह कॉरिडोर के संपर्क वाले जिलों में आर्थिक विकास नई संभावनाएँ पैदा होंगी।

27 सितंबर को 23000 पंचायत कार्यालय के ताले बंद रहेंगे

भोपाल। प्रदेश के 23000 ग्राम पंचायतों के ताला खोलने वाले पंचायत चौकीदार सफाई करने वाले सफाई करनी और चपरासी 27 सितंबर को प्रदेश भर में हड़ताल पर रहेंगे। 27 सितंबर को प्रदेश के 23000 ग्राम पंचायतों के ताले नहीं खुलेंगे पंचायत चौकीदार 27 सितंबर को प्रदेश भर से भोपाल आएंगे और भोपाल के अंबेडकर जयंती मैदान तुलसी नगर में अपनी मांगो को मंजूर करने की मांग को लेकर प्रदर्शन करके प्रदेश स्तरीय धरना देंगे। हड़ताल का नोटिस सरकार, सरकार के मुख्य सचिव और अपर मुख्य सचिव पंचायत ग्रामीण विकास आयुक्त पंचायत राज संचनालय को सौंप दिया गया है। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच की प्रांतीय अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि प्रदेश के 313 जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली 23000 ग्राम पंचायत में 2013 में पंचायत चौकीदार, भृत्य, सफाई कर्मी की नियुक्ति की गई थी।

पंचायती राज अधिनियम के नियमों के अंतर्गत यह नियुक्ति की गई थी। नियुक्ति के 10 वर्ष बाद भी पंचायत में पदस्थ चौकीदार सफाई कर्मी और भृत्य को मात्र मानदेय के तौर पर 3000 रुपए वेतन दिया जा रहा है, जबकि सर्वोच्च न्यायालय का आदेश है कि 10 साल की सेवा के बाद सफाई कर्मी, चौकीदारों को न्यूनतम वेतन मान दिया जाए और स्वीकृत पदों पर नियमित किया जाए। पंचायत में कार्यरत चौकीदार सफाई कर्मी, भृत्य 24 घंटे में से 20 घंटे सेवा देते हैं लेकिन उन्हें सामाजिक सुरक्षा तक का लाभ नहीं दिया जा रहा है। पंचायत चौकीदारों ने सरकार से मांग की है कि पंचायत चौकीदारों को श्रम आयुक्त आयुक्त द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतनमान दिए जाने के आदेश जारी किए जाएं। किसी भी पंचायत चौकीदार को अकारण सेवा से पृथक ना किया जाए।

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में बरगद, बेलपत्र और गूलर के पौधे रोपे। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ राष्ट्रीय कराटे टीम के हेड कोच, प्रथम विश्वामित्र अवॉर्डी श्री जयदेव शर्मा तथा कराटे में एकलव्य अवार्ड से सम्मानित श्री पलाश समाधिया, कराटे के अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता श्री राहुल शुक्ला, कराटे में राष्ट्रीय स्वर्ण पदक प्राप्त श्री चिराग पवार ने पौधे रोपे।

आपसी संघर्ष से घट रहा बांधवगढ़ नेशनल पार्क में बाघों को कुनबा

छह माह के भीतर 10 से ज्यादा बाघों की मौत

भोपाल। बांधवगढ़ नेशनल पार्क में बाघों के आपसी संघर्ष के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवेश कर इनके हमलावर होने के मामले आए दिन सामने आ रहे हैं। इन घटनाओं से बाघों की मौत के साथ ही जन व पशु हानि के मामले बढ़ रहे हैं। बाघों का घनत्व बढने व पार्क सीमा सीमित होने की वजह से यह स्थितियां निर्मित हो रही है। बाघ अपना वर्चस्व बनाने जहां आपस में द्वंद्व कर रहे हैं, वहीं नई टेरिटेरी बनाने कोर एरिया से बाहर बफर की ओर रुख कर रहे हैं। यह दोनों ही घटनाएं बाघों के साथ जन सामान्य के लिए भी घातक साबित हो रही हैं। पिछले छह माह में बांधगवढ़ नेशनल पार्क के कोर व बफर एरिया में 10 से अधिक बाघों की मौत हो चुकी है। अधिकांश की मौत का कारण आपसी संघर्ष या फिर वयस्क बाघों के हमले को बताया जा रहा है। ताला गेट के समीप मृत मिला बाघ- बुधवार की सुबह ताला कोर एरिया में गश्ती दल को बाघ का शव मिला है। मृत बाघ की उम्र लगभग 8-9 वर्ष बताई जा रही है। गश्ती दल ने घटना की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही पार्क प्रबंधन मौके पर पहुंच आस-पास के क्षेत्र को सील कराते हुए पड़ताल शुरु की। ताला परिक्षेत्र अधिकारी रंजन सिंह परिहार ने बताया कि बाघ की गर्दन टूटी हुई है, पैर व गले में गंभीर घाव हैं व कई जगह नाखून के निशान है। बाघ की मौत का कारण टेरीटोरियल फाइट बताई जा रही है। फिलहाल पार्क प्रबंधन ने शव को अपने कब्जे में लेते हुए अंतिम संस्कार कर जांच प्रारंभ कर दी है।

लगातार हो रही मौत, हमले भी बढ़े- बांधवगढ़ नेशनल पार्क के कोर व बफर जोन में जहां बाघों की मौत का ग्राफ बढ़ा है वहीं बाघों के हमले की घटनाओं में भी इजाफा हुआ है। पिछले छह माह में 10 से ज्यादा बाघों की मौत हो चुकी है। इनमें 2 मार्च को खेतौली रेंज में, 1 अप्रेल को मगधी रेंज में, 3 अप्रेल को पनपथा में, 8 मई को पनपथा रेंज में, 16 जुलाई को मानपुर बफर जोन में, 21 जुलाई को मानपुर बफर जोन में, 27 अगस्त को मानपुर बफर जोन में, 16 सितम्बर मानपुर बफर जोन के बाद अब 20 सितम्बर को ताला कोर एरिया में बाघ का शव मिला है। इसकी जांच में प्रबंधन जुटा हुआ है।

रिपोर्ट का इंतजार, टेरिटोरियल फाइट बताया- बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व मानपुर बफर जोन अंतर्गत ग्राम पंचायत पटेहरा गांव के पास नाले में मृत मिले बाघ की मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पार्क प्रबंधन को पीएम रिपोर्ट का इंतजार है। बताया जा रहा है कि बाघ के शरीर के कुछ अंग गायब थे, जिसे लेकर शिकार की आशंका जताई जा रही थी। मानपुर वन परिक्षेत्र अधिकारी मुकेश अहिरवार ने बताया कि शव चार से पांच दिन पुराना था। बाघ की गर्दन टूटी हुई थी इससे प्रथम दृष्टया टेरिटोरियल फाइट की वजह से मौत की संभावना है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट हो पाएगा कि बाघ की मौत किन कारणों से हुई।

16 करोड़ से दोगुनी पहुंची घोटाले की राशि

भोपाल। ग्वालियर के बहुचर्चित पीएचई विभाग में हुए घोटाले के मामले का पर्दाफाश करने के लिए अब एसआईटी का गठन कर दिया है। अब तक इस मामले में पीएचई के पांच बड़े अधिकारी सहित 74 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। घोटाला 16 करोड़ 24 लख रुपए का सामने आया था जिसकी राशि बढक़र 33 करोड़ 80 लाख रुपए तक पहुंच गई है। अनुमान है घोटाला 50 करोड़ रुपए का हुआ है।

ग्वालियर के पीएचई विभाग के संधारण खंड -1 में हुए 16 करोड़ 24 लाख रुपए के घोटाले की राशि बढक़र 33 करोड़ 80 लाख रुपए तक पहुंच गई है। पांच सदस्यीय विभागीय टीम की जांच में इस बात का खुलासा हुआ है। आपको बता दें कि 27 जुलाई को वित्त विभाग ने 71 खातों में 16 करोड़ 42 लाख 13 हजार 853 रुपए का अनियमित भुगतान होने के संदेह में जांच के निर्देश दिए थे। अंतरिम जांच रिपोर्ट 23 अगस्त को प्रस्तुत की गई। इसमें घोटाले की राशि 18 करोड़ 92 लाख 25 हजार 399 रुपए तक पहुंच गई थी। प्रमुख अभियंता पीएचई भोपाल ने 31 जुलाई को मुख्य अभियंता व्हीपी सोनकर की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय टीम गठित की थी। गौरतलब है कि पीएचई विभाग में घोटाले का खेल पिछले पांच सालों से जारी था। मृतक और रिटायर्ड कर्मचारियों के खातों में फेरबदल कर घोटाले की रकम ट्रांसफर कर बंदरबांट किया जा रहा था। घोटाले की रकम को फर्जी तरीके से 74 बैंक खातों में ट्रांसफर किया था।

वहीं ट्रेजरी विभाग से मिली रिपोर्ट में भी खुलासा हुआ है कि 65 खातेदारों के 81 खातों में फर्जी तरीके से भुगतान हुआ था। अब घोटाले की रकम 33 करोड़ 80 लाख रुपये तक पहुंच गई है। ऐसे में मुख्य अभियंता पीएचई का कहना है कि चूंकि वित्त व पीएचई की जांच रिपोर्ट में राशि में काफी अंतर है। इसलिए ईएनसी से चर्चा कर आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। घोटाले की राशि बढने पर ही अब दोनों टीम अपनी जांच का दायरा और बढ़ाना चाहती हैं। वहीं अब इस मामले में ग्वालियर थाना क्राइम ब्रांच में एफआईआर दर्ज होने के बाद ग्वालियर एसपी राजेश सिंह ने घोटाले का पर्दाफाश करने के लिए एसआईटी का गठन कर दिया है।

उसकी कमान भी आईपीएस अधिकारी ऋषिकेश मीणा को सौंप गई है। शुरुआती दौर में घोटाले के मास्टरमाइंड पंप ऑपरेटर हीरालाल और उसके भतीजे कंप्यूटर ऑपरेटर और एक अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। अब ट्रेजरी विभाग से मिली रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने पीएचई के पांच अधिकारियों सहित 74 लोगों के नाम एफआईआर में बढ़ाए हैं और संभावना व्यक्त की जा रही है एफआईआर का आंकड़ा 100 को पार कर सकता है। वहीं घोटाले की रकम भी 50 करोड़ हो सकती है।

अस्पतालों में सर्दी, खांसी, सिरदर्द से पीड़ित मरीजों की भरमार

भोपाल। बारिश का दौर थमते ही शहर में अब बुखार से पीड़ित मरीजों की बाढ़ सी आ गई है। बच्चों से लगाकर युवा वृद्ध यानि लगभग सभी उम्र के अधिकांश लोग वायरल फीवर की चपेट में हैं। शहर के सरकारी अस्पतालों से लेकर निजी अस्पतालों में सर्दी, खांस, जुखाम, तेज सिर दर्द, उल्टी-दस्त वालों मरीजो की भरमार बनी हुई है। शहर में ऐसी कोई कालोनी या बस्ती नहीं है, जहां के रहवासियों को जिसे वायरल फीवर ने न जकड़ रखा हो। एमवाय हॉस्पिटल की ओपीडी से लेकर जिला अस्पताल सहित अन्य सरकारी अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों पर वायरल फीवर से सम्बंधित मरीजों की भीड़ और कतारें लगी हैं। यही हाल और नजारे निजी हॉस्पिटल और कालोनी-मोहल्लों में निजी प्रैक्टिस करने वाले प्राइवेट डाक्टरों के क्लिनिकों पर भी नजर आ रहे हैं।

जोरदार बारिश का असर- डॉक्टर्स का कहना है कि यूं तो हर साल हर बारिश में पानी प्रदूषित होने और हवाओं में आर्द्रता यानि नमी होने के कारण इंफेक्शन मतलब संक्रमण बढने के कारण मौसमी बीमारियां बड़ी तेजी से पनपती हैं। तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण वायरल और बैक्टीरियल सम्बन्धित बीमारियां सिर उठा लेती हैं। जैसा कि जुलाई माह में बारिश के बाद हुआ था, मगर अगस्त माह के अंत तक मौसमी बीमारियों पर लगाम लगती नजर आ रही थी, मगर हाल ही में पिछले हफ्ते हुई लगातार जोरदार बारिश के बाद शहर एक बार फिर वायरल इंफेक्शन की चपेट में है। जिनकी प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है, वह संक्रमित होते ही बीमार पड़ रहे हैं।

बाजार से गायब हुआ दो हजार का नोट

भोपाल। दो हजार का नोट चलन से बाहर होने के बाद बाजार से भी यह गायब हो गया है और करीब 34 करोड़ रुपए के नोट बैंकों में जमा हुए हैं। नोट वापसी की प्रक्रिया 23 मई 2023 से शुरू हुई और अभी तक जिले से लगभग 34 करोड़ रुपये की राशि के नोट विभिन्न बैंकों में जमा कराए जा चुके हैं। बता दें नोट बदलने की यह प्रक्रिया 30 सितंबर तक चलेगी। इसके बाद इनका चलन धीरे-धीरे बंद हो जाएगा। इधर बाजारों से अब दो हजार रुपये के नोट लगभग गायब हो गए हैं। बाजार में दो हजार के नोट की जगह 500 रुपये के नोट ने ले ली है। अब सबसे बड़ा नोट 500 रुपये का है। ज्यादातर लेनदेन 500 रुपये में ही हो रहा है। शहर के सभी एटीएम में 500 रुपये के नोट ही निकल रहे हैं।

जिससे बाजार में 500 रुपये के नोट की भरमार हो गई है। वित्तीय संस्थाओं में भी 80 से 85 प्रतिशत तक का लेनदेन 500 रुपये के नोट के सहारे हो रहा है। इसके बाद 100 रुपये का नोट चलन में सबसे ज्यादा दिखाई देने लगा है। इसके अलावा अब बाजार में छोटे नोट व सिक्कों की भरमार हो गई है। बैंक मैनेजर एनपी सोनी ने बताया कि दमोह जिले में दो हजार रुपये के नोट की 34 करोड़ रुपये की राशि जमा हुई हैं। अभी यह 30 सितंबर तक बैंकों में बदले जा रहे हैं। इसके बाद रिजर्व बैंक की जो गाइडलाइन आएगी, उसके अनुसार लेनदेन होगा।

बड़े कारोबारियों की बढ़ीं मुश्किलें-दो हजार रुपये के नोट चलन से बाहर होने से कुछ परेशानी भी बढ़ी है। सबसे ज्यादा परेशानी चिकित्सा संबंधी कार्यों से जाने वाले उन मरीजों के परिजनों को हो रही है जिनके बड़े ऑपरेशन संबंधी खर्चों में दो हजार रुपये के नोटों को लाने-ले जाने में आसानी रहती थी। वहीं अब दो हजार की एक गड्डी के एवज में 500 की चार गड्डियां ले जानी पड़ती हैं। बाजार के जानकार बताते हैं कि दो हजार के नोटों का बड़ा लेनदेन जमीन, भूमि, भवन के क्रय-विक्रय में होता था। लेकिन इनके चलन से बाहर होने से अब जमीन कारोबारियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। 8 नवंबर 2016 की नोटबंदी के बाद से बाजार में डिजिटल लेनदेन ज्यादा बढ़ रहा है। छोटी-छोटी शॉपिंग जिसमें सब्जी, फल, फूट, नाश्ता, रेस्टोरेंट, पेट्रोल-डीजल सेकर कॉस्मेटिक, जूते-मोजू, कपड़े, इत्यादि रोजमर्रा की खरीददारी में भी आम ग्राहक धड़ल्ले से डिजिटल माध्यम से पेमेंट करने लगे हैं। इधर व्यापारियों के जानकारों के अनुसार वर्तमान में 25 से 30 प्रतिशत तक डिजिटल लेन-देन होने लगा है। इसके कारण दुकानदारों एवं ग्राहकों दोनों को नकद लेन-देन के झंझट से मुक्ति मिली है। कार, बाइक, स्कूटर, मोबाइल फोन, लैपटॉप के दुकानदार बताते हैं कि उनके यहां तो 90 प्रतिशत तक लेन-देन डिजिटल हो गया है।

आज इस रॉयल होटल में सात फेरे लेंगे परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा के शादी की तैयारियां शुरुआत कल ही हो गया था। दोनों परिवार उदयपुर पहुंच चुके हैं। इस रॉयल वेडिंग के लिए पर्ल व्हाइट वेडिंग थीम रखी गई है। सारा डेकोरेशन भी सफेद रंग की थीम पर रहेगा। होटल को सजाने के लिए दिल्ली और कोलकाता से स्पेशल फूल मंगवाए गए हैं।

बोट से दुल्हन लेने आएगी बारात

शादी के लिए परिणीति का परिवार होटल लीला और राघव का परिवार ताज लेक पैलेस में रुका हुआ है। दुल्हन के लिए खास महाराणा सुईट बुक किया गया है। पिछोला झील में ही बने होटल ताज लेक पैलेस से महज 400 मीटर दूर होटल लीला में बारात आज बोट्स से पहुंचेगी। बताया जा रहा है कि दूल्हे के लिए खास तौर पर होटल लीला पैलेस में विटेंज कार भी मंगवाई गई है।

मेहमानों का जोरदार स्वागत

परिणीति की शादी में बॉलीवुड के सितारे भी पहुंचने लगे हैं। एक्ट्रेस भाग्यश्री अपने पति हिमालय के साथ पहुंची हैं। वहीं तारक मेहता का उल्टा चश्मा फेम एक्टर शैलेश लोढ़ा भी पहुंते हैं। एक्ट्रेस आमना शरीफ भी पहुंच चुकी हैं। परिणीति चोपड़ा के खास दोस्त अर्जुन कपूर भी शादी में पहुंच रहे हैं। वहीं मनीष मल्होत्रा और कई दूसरे बड़े सितारों के पहुंचने की उम्मीद है।

राजनेता

आप नेता संजय सिंह पहुंच चुके हैं। वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी शामिल हो सकते हैं।

लाखों में है एक दिन का किराया

बता दें, लीला पैलेस देश के टॉप होटल्स में से एक है। ये होटल झील के किनारे बसा हुआ है और इसके चारों तरफ पिछोला झील और अरावली की पहाड़ियों के नजारे हैं। पूरे पैलेस को मार्बल और हाथ से की गई नक्काशी से सजाया गया है।

जाहिर है होटल जितना आलीशान है, उसका किराया भी उतना ही ज्यादा है। रिपोर्ट्स की मानें इस होटल में महाराजा सुइट के एक रात का किराया 9 लाख से भी ऊपर का है।

खास रखा गया है मेहमानों का खान-पान

यह रॉयल वेडिंग खान पान के मामले में भी काफी अलग होने वाला है। यहां अलग अलग राज्यों की डिश परोसी जाएगी, लेकिन विशेष तौर पर शादी के मेन्यू में पंजाबी और राजस्थानी खाने को शामिल किया गया है। जैसे दाल-बाटी चूरमे के साथ मेहमानों को मेवाड़ का स्पेशल ढोकला परोसा जाएगा। इसके अलावा इटालियन और फ्रेंच डिशेज भी रखी गई हैं।

सुबह के नाश्ते से शुरू हुई थी राघव-परिणीति की प्रेम कहानी

एक रिपोर्ट के मुताबिक, इनकी लव स्टोरी 2022 से शुरू हुई। परिणीति उस वक्त फिल्म चमकीला की शूटिंग कर रही थी। यह शूटिंग पंजाब में हो रही थी जब राघव इसके सेट पर आए थे। हालांकि, इससे पहले वो एक दूसरे से मिल चुके थे और दोस्त थे, लेकिन प्यार परवान यहीं से चढ़ना शुरू हुआ। 13 मई 2023 को परिणीति और राघव की सगाई हुई थी। 22 मई को परिणीति ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट कर सगाई की तस्वीरों को शेयर किया था। उसी वक्त उन्होंने लिखा, जब आपको पता होता है, आपको पता होता है। सुबह का नाश्ता एक साथ और मुझे पता था कि मुझे अपना साथी मिल गया है। परिणीति ने अपनी पोस्ट में लिखा था कि उन्हें बचपन से ही अपनी फेयरीटेल का इंतजार था और अब जब यह शुरू हो गई है तब उनकी सोच से भी ज्यादा बेहतर है।

रॉयल है राघव चड्ढा के ससुराल वाले

परिणीति चोपड़ा एक पंजाबी फैमिली से आती हैं। उनके पिता का नाम पवन चोपड़ा है, जो अंबाला में इंडियन आर्मी के सप्लायर हैं। उनकी मां रीना मल्होत्रा चोपड़ा RNI हैं। वह एक हाउसवाइफ हैं। वहीं परिणीति की मां को पेंटिंग का भी शौक है। वहीं परिणीति के सिबलिंग्स की बात करें तो उनके दो भाई हैं, जिनका नाम सहज चोपड़ा और शिवांग चोपड़ा हैं।

एक्सपेंडेबल्स चार- जवान के सामने कमजोर

फिल्म समीक्षा- दिनेश शर्मा

फिल्म अभिनेता शाहरुख खान की जवान के समक्ष दो सप्ताह किसी ने फिल्म रिलीज करने का रिस्क नहीं उठाया। जबकि हॉलीवुड की देन एक्सपेंडेबल्स-4 को बड़े पर्दे पर लाना महंगा पड़ता नजर आया। तकनीकी व मनोरंजन के गणित में जवान के मुकाबले कमजोर दिखाई दी। हालांकि फिल्म भारी बजट की होने के बावजूद आमदनी के प्रथम सप्ताह में टिक नहीं पायी। करीब 9 साल पहले जो कहानी थी उसी तर्ज पर मसालों की बनी चाट कुछ नया करिश्मा करने में विफल रही। यद्यपि विश्व युद्ध को रोकने के प्रयासों के चलते कहानी भटकाव का शिकार होती महसूस हुई। चित्र में डायलॉग कम और गोलियों की बौछार ज्यादा है।

जिन्हें गोलीबारी पसंद हो वे मजा लूट सकते हैं। इस महंगी बजट को फिल्म के निर्माण में केविन किंग, टेंपलेटन, लेस वेल्डन, यारिव लार्नर और जैसन स्टेथम ने पैसा खर्च किया है।

कलाकारों जैसन स्टेथम, सिल्वेस्टर स्टेलोन, काटिक, 50 सेंट, जैक्सन मेगन फॉक्स, ग्रासिया आदि ने मेहनत की है। पटकथा में कोई आकर्षण ना होना भी फिल्म की कमजोर नब्ज है। मेगन फॉक्स के हुस्न से मुकाबला भी कोई जादू नहीं दिखा पाया। प्यार मोहब्बत का अंदाज भी गुजारे लायक लगा। कुल मिलाकर फिल्म औसत दर्जे की है। फोटोग्राफी में दम है।

बॉडी बनाने के चक्कर में कर ना बैठे ये गलतियां बढ़ सकता है हार्ट अटैक का खतरा

आज के दौर में युवाओं में बेहतर बॉडी पाने का क्रेज बढ़ रहा है। अधिकांश जिम उत्साही युवाओं से भरे हुए हैं जो अपनी फिटनेस के वांछित स्तर को प्राप्त करने के लिए पसीना बहा रहे हैं। हालांकि जिम में वर्कआउट करना समग्र स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, लेकिन सतर्क रहना और कुछ गलतियों से बचना ज़रूरी है जो दिल के दौरे के खतरे को बढ़ा सकती हैं। दुर्भाग्य से, बेहतर शरीर बनाने की चाहत में, कई व्यक्ति ऐसी प्रथाओं को अपनाते हैं जिनके उनके हृदय स्वास्थ्य पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं। इस तरह की प्रथाओं में लंबे समय तक लगे रहने से जीवन के लिए खतरा पैदा हो सकता है। इस लेख में आपको बताएंगे कि जिम में वर्कआउट करते समय किन गलतियों से बचना चाहिए जो संभावित रूप से दिल के दौरे का कारण बन सकती हैं।

फिट और सुडौल शरीर की चाहत ने कई लोगों, विशेषकर युवा पीढ़ी को उत्साह के साथ जिम जाने के लिए प्रेरित किया है। हालांकि, यह समझना महत्वपूर्ण है कि जिम में वर्कआउट करना जोखिम से खाली नहीं है, खासकर जब बात हृदय स्वास्थ्य की हो। हृदय रोग विशेषज्ञों ने कुछ प्रथाओं और गलतियों के प्रति चेतावनी दी है जो हृदय पर हानिकारक प्रभाव डाल सकती हैं। आज की तेज़-तर्रार दुनिया में, लोग अक्सर यह सोचे बिना कि इसका उनके हृदय स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ सकता है, जिम जाना शुरू कर देते हैं।

हृदय रोग विशेषज्ञ से परामर्श-

फिटनेस यात्रा शुरू करने से पहले, व्यक्तियों, विशेष रूप से 40 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों या पहले से ही हृदय रोग से पीड़ित लोगों को हृदय रोग विशेषज्ञ से परामर्श करने की सलाह दी जाती है। यह प्रारंभिक परामर्श यह आकलन करने में मदद कर सकता है कि क्या कोई अंतर्निहित हृदय संबंधी समस्याएं हैं जो कठोर व्यायाम से बढ़ सकती हैं। इस कदम को नजरअंदाज करना जीवन के लिए खतरा साबित हो सकता है, क्योंकि किसी के दिल की स्थिति को जाने बिना ज़ोरदार वर्कआउट में शामिल होने से प्रतिकूल परिणाम हो सकते हैं।

पूरक खतरे

बेहतर शरीर की चाहत में लोगों द्वारा की जाने वाली आम गलतियों में से एक है सप्लीमेंट्स का अत्यधिक उपयोग। जबकि सही ढंग से और पेशेवर मार्गदर्शन के तहत उपयोग किए जाने पर पूरक फायदेमंद हो सकते हैं, लेकिन दुरुपयोग होने पर वे महत्वपूर्ण जोखिम भी पैदा कर सकते हैं। कुछ सप्लीमेंट्स में ऐसे तत्व होते हैं जो हृदय की कार्यप्रणाली को खराब कर सकते हैं और संभावित रूप से दिल का दौरा या कार्डियक अरेस्ट का कारण बन सकते हैं। हृदय रोग विशेषज्ञ पूरक आहार के अंधाधुंध उपयोग के खिलाफ सलाह देते हैं, और उन्हें अपने फिटनेस आहार में शामिल करने से पहले एक स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर से परामर्श करना महत्वपूर्ण है।

तनाव- दीर्घकालिक तनाव हृदय पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। ध्यान, योग, गहरी सांस लेने के व्यायाम और प्रियजनों से सहायता लेने जैसी तनाव कम करने की तकनीकें तनाव को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में मदद कर सकती हैं।

आयु और जीवनशैली कारक

हाल के दिनों में, युवा व्यक्तियों में दिल के दौरे का खतरा चिंताजनक रूप से बढ़ गया है। इस प्रवृत्ति में कई कारक योगदान करते हैं, जिनमें अस्वास्थ्यकर जीवनशैली, खराब आहार विकल्प, अत्यधिक तनाव, धूम्रपान और सीओवीआईडी -19 महामारी का प्रभाव शामिल है। हृदय रोग विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि हृदय स्वास्थ्य बनाए रखना सभी उम्र के लोगों के लिए महत्वपूर्ण है।

जीवनशैली में बदलाव का महत्व

हृदय संबंधी समस्याओं से बचाव के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाना सर्वोपरि है। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, तनाव प्रबंधन और धूम्रपान से परहेज हृदय-स्वस्थ जीवन के प्रमुख घटक हैं। जीवनशैली में ये बदलाव न केवल दिल के दौरे के खतरे को कम करते हैं बल्कि समग्र कल्याण को भी बढ़ावा देते हैं।

संतुलित आहार- फलों, सब्जियों, साबुत अनाज, दुबले प्रोटीन और स्वस्थ वसा से भरपूर आहार अच्छे हृदय स्वास्थ्य में योगदान दे सकता है। प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, शर्करा युक्त पेय और अत्यधिक नमक का सेवन कम करना आवश्यक है।

नियमित व्यायाम- स्वस्थ हृदय के लिए शारीरिक गतिविधि आवश्यक है। नियमित व्यायाम करने से हृदय संबंधी फिटनेस में सुधार, स्वस्थ वजन बनाए रखने और रक्तचाप कम करने में मदद मिलती है। पैदल चलना, जॉगिंग, तैराकी और साइकिल चलाना जैसे हृदय संबंधी व्यायाम विशेष रूप से फायदेमंद होते हैं।

धूम्रपान बंद करना- धूम्रपान हृदय रोग के लिए एक प्रमुख जोखिम कारक है। धूम्रपान छोड़ना उन सर्वोत्तम चीजों में से एक है जो व्यक्ति अपने हृदय के स्वास्थ्य के लिए कर सकते हैं। इस यात्रा में धूम्रपान समाप्ति कार्यक्रम और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों का समर्थन अमूल्य हो सकता है।

इन फूड्स से शादीशुदा बना लें दूरी

शादी के बाद ज्यादातर पुरुष की चाहत होती है कि वो एक दिन पिता बने, लेकिन कई बार स्पर्म काउंट घटने की वजह से उन्हें नपुंसकता का सामना करना पड़ता है। ये एक ऐसी समस्या है जिसे मर्द बयान करने से बचते हैं क्योंकि इसकी वजह से उन्हें शर्मिंदगी और लो कॉन्फिडेंस का सामना करना पड़ता है। WHO ने इनफर्टिलिटी को ग्लोबल पब्लिक हेल्थ कंसर्न की कैटेगरी में रखा है। इस परेशानी के पीछे हमारी खाने पीने की कुछ बुरी आदतें जिम्मेदार होती हैं। आइए जानते हैं कि वो कौन-कौन से फूड्स हैं जिन्हें खाने से सपर्म काउंट घट जाता है।

सोया प्रोडक्ट्स

सोया प्रोडक्ट्स को आमतौर पर न्यूट्रीशनल फूड माना जाता है क्योंकि ये वेजिटेरियन फूड्स खाने वालों के लिए प्रोटीन का रिच सोर्स है। अगर आपको नपुंसकता का डर है तो इसे खाना कम कर दें। सोया में एस्ट्रोजेनिक आइसोफ्लेवोन्स पाया जाता है जिससे एस्ट्रोजेन का लेवल बढ़ जाता है और टेस्टोस्टेरोन का स्तर घटने लगता है जिससे न सिर्फ स्पर्म काउंट, बल्कि स्पर्म क्वालिटी भी प्रभावित होती है।

कई गुणों से भरपूर है अदरक

अदरक हमारे किचन का एक अहम हिस्सा है, इसकी मदद से हम कई तरह की रेसेपीज का टेस्ट बढ़ा सकते हैं, लेकिन ये किसी आयुर्वेदिक औषधि से कम नहीं है। अगर इसे कच्चा चबाएंगे, इसका जूस पिएंगे या फिर इसे हर्बल टी के साथ सेवन करेंगे तो ये हमारे स्वास्थ के लिए लाभकारी हो सकता है। अदरक में जिंजरोल नाम कंपाउंड पाया जाता है जो बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा इसमें विटामिन बी3, विटामिन बी6, विटामिन सी, आयरन , पोटेशियम, मैग्नीशियम , पोटेशियम, जिंक, फोलेट , राइबोफ्लेविन और नाइसिन जैसे न्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं। आइए जानते हैं कि अदरक खाने से क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।

अदरक खाने के फायदे

डाइजेशन होगा दुरुस्त

अदरक में पाए जाने वाले एंजाइम्स पाचन को सुधारने में मदद करते हैं, जिससे आपका पेट सही तरीके से काम करता है, जिससे गैस, कब्ज और अपच जैसी परेशानियां नहीं आतीं।

इम्यून सिस्टम होगा मजबूत

अदरक विटामिन सी का अच्छा सोर्स होता है और यह इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मदद करता है, जिससे रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

ब्लडप्रेशर को करें कंट्रोल

अदरक में पाए जाने वाले अंटीऑक्सीडेंट्स और नेचुरल डॉयरेटिक्स ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद कर सकते हैं।

स्किन को रखे हेल्दी

अदरक में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स स्किन को सेहतमंद और चमकदार बनाते हैं, और त्वचा की सौंदर्य बढ़ने लगता है।

वजन होगा कम

अदरक वजन कम करने में मदद कर सकता है क्योंकि इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स फैट को बर्न करते हैं।

सर्दी-जुकाम से बचाव

अदरक गर्मी पैदा करने वाला होता है और इसलिए सर्दी-जुकाम से बचाव में मदद करता है।

डायबिटीज से बचाव

अदरक का सेवन डायबिटीज के रिस्क को कम करने में मदद कर सकता है और ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करता है।

गठिया के मरीजों के लिए फायदेमंद

अदरक में मौजूद एंटी-इन्फ्लेमेंटरी प्रॉपर्टीज गठिया के रोगियों को राहत दिला सकता है।

तनाव करें कम

अदरक का सेवन स्ट्रेस को कम करने में मदद कर सकता है और मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाता है।

आईडीए ने झांकियों के लिए सहायता राशि एक लाख रु बढ़ाई

आईडीए ने झाकियों के लिए प्रत्येक मिल को दिए 3 लाख रु.

इंदौर। प्राधिकरण द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार बंद कपड़ा मिलों के सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति यो को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इस बार 5 कपड़ा मिलों कल्याण मिल राजकुमार मिल, हुकम चंद मिल, स्वदेशी मिल एवं मालवा मिल को पूर्व निर्धारित राशि रुपए 2 लाख से बढ़ाकर रुपये 3 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

यह सहायता राशि उनकी सार्वजनिक गणेश उत्सव समिति के पदाधिकारीयो, कल्याण मिल के हरनाम सिंह धारीवाल, हुकुमचंद मिल के श्री नरेंद्र श्री वंश, राजकुमार मिल के श्री कैलाश सिंह ठाकुर, स्वदेशी मिल् के श्री कन्हैया लाल मरमट और मालवा मिल के श्री कैलाश कुशवाहा को सोपी गई। आईडीए के चेअरमेन जयपाल चावड़ा ने बताया कि राशि देने का उद्देश्य शहर की संस्कृतिक परंपरा जीवित रखना है, ताकि इतने जीवंत शहर कि आगामी पीढ़ी अपनी संस्कृति को सदियों तक याद कर सके आपने यह भी कहा कि संभव होगा तो अगले वर्ष यह राशि और बढक़र दिए जाने की कोशिश की जावेगी। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष श्री राकेश गोलू शुक्ला एवं मुख्य कार्यपालिक अधिकारी श्री आर पी अहिरवार सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे! कार्यक्रम के पश्चात अखाड़े के प्रतिनिधियों द्वारा ज्ञापन सौंप कर मांग की गई थी अखाड़े की पुरातन कला और शस्त्र कला को भी जीवित रखने हेतु आवश्यक आर्थिक मदद प्राधिकरण को देना चाहिए। अध्यक्ष श्री चावड़ा ने उनकी मांग पर चर्चा करते हुए कहा कि आपकी मांग जायज है, आप लोगों के लिए भी आगामी वर्ष में आर्थिक मदद देने हेतु विचार विमर्श कर उचित निर्णय लिया जावेगा ।

महिला की मौत में पति और ससुर पर केस

इंदौर। महिला द्वारा फांसी लगाकर खुदकुशी करने के मामले में पुलिस ने उसके पति और ससुर पर केस दर्ज किया है। जांच में पुलिस को पता चला कि दोनों की प्रताडऩा से तंग आकर उसने आत्महत्या की थी। द्वारकापुरी पुलिस के मुताबिक सांईबाबा नगर में रहने वाली रानू पति आनंद यादव (26) ने गत 23 अगस्त को ससुराल में फांसी लगाकर जान दे दी थी। मर्ग जांच में पुलिस ने पाया कि उसे पति आनंद यादव और ससुर राजेंद्र यादव छोटे-छोटे काम को लेकर शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताडित करते थे। उसे अपने परिजन से मोबाइल पर बात नहीं करने देते थे। इसी से परेशान होकर रानू ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। अभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।

कोर्ट परिसर में धमकाया- दंपति के बीच कोर्ट में चल रहे प्रकरण में राजीनामे न करने की बात को लेकर आरोपी ने महिला को जान से मारने की धमकी दी। एमजी रोड पुलिस ने बताया कि डॉली पति राहुल वडनेरे निवासी रामचंद्र नगर की रिपोर्ट पर आरोपी राहुल निवासी परस्पर नगर के खिलाफ केस दर्ज किया गया। घटना जिला न्यायालय कोर्ट रूम नंबर 12 के बाहर प्रांगण में हुई। महिला ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने उसे कोर्ट में चल रहे केस में राजीनामा करने को कहा। मना करने पर उसे गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी।

दहेज के लिए सताया- महिला से दहेज की मांग कर ससुराल वालों ने सताया तो तंग आकर महिला ने पुलिस में केस दर्ज करा दिया। महिला थाने में सबा खान, गीता नगर की रिपोर्ट पर वसीम खान, परवीन, अख्तर खान, गीता नगर के खिलाफ दहेज का केस दर्ज किया है। महिला के साथ मारपीट करते हुए उसे घर से बेदखल कर दिया।

सिरफिरे ने की एंबुलेंस में तोडफोड़

इंदौर। राऊ इलाके में एक अस्पताल के नजदीक खाली प्लॉट पर खड़ी एंबुलेंस में एक सिरफिरे ने तोडफोड़ कर दी। मामला कमल नगर का है । यहां स्थित मुल्तानी अस्पताल के कर्मचारी सोमिल पिता संजय अगस्टिन की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी बने सिंह निवासी नर्मदा ग्राउंड कमल नगर राऊ के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। सोमिल ने पुलिस को बताया कि बने सिंह हाथ में दराता लिए वहां आया और आपत्ति लि कि उसके प्लॉट पर एंबुलेंस क्यों खड़ी की गई है। उसे हटाया जाए, वह लगातार अपशब्द कह रहा था। सोमिल अस्पताल में गया तो आरोपी भी वहां पहुंच गया। गुस्से में बने सिंह ने अस्पताल के बगल में खड़ी एंबुलेंस के सभी कांच दराते से फोड़ दिए। उसे अस्पताल के स्टाफ ने रोकने की कोशिश की तो उन पर भी हमला किया और धमकाया।

मॉल की पार्किंग में युवक-युवती के बीच मारपीट, सोशल मीडिया पर वायरल - एबी रोड पर रविवार रात मॉल के पीछे पार्किंग में युवक-युवतियों के बीच मारपीट हो गई। सोशल मीडिया पर यह वीडियो वायरल हुआ। इधर, पुलिस ने वीडियो देखने के बाद जांच करने की बात कही है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो विजयनगर इलाके के मॉल की पार्किंग का बताया जा रहा है। यहां युवकों के दो गुट के बीच जमकर विवाद हो रहा है। जिसमें एक युवती बचाव करते नजर आ रही है। युवकों ने बचाव के दौरान युवती के साथ भी मारपीट की।

स्वाद के लिए जहर चखा, मौत

12 घंटे बाद बिगड़ी तबीयत, तीन घंटे चले उपचार के बाद दम तोड़ा

इंदौर। पालदा में रहने वाले एक 19 साल के युवक की जहर खाने से रविवार को मौत हो गई। जहर खाने का पता चलने पर दोस्त उसे लेकर एमवाय अस्पताल पहुंचे थे। यहां तबीयत ठीक हुई तो डॉक्टरों ने उसे छुट्टी दे दी। लेकिन 12 घंटे बाद अगले दिन सुबह जहर का असर हुआ और सुबह उसकी तबीयत बिगडऩे लगी। दोपहर तक उसे उपचार नहीं मिला। जब स्थिति अनियंत्रित हुई तो उसे परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां उपचार शुरू होने के तीन घंटे बाद ही युवक ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है।

भंवरकुआ पुलिस के मुताबिक पालदा इलाके में रहने वाले नवीन (19) रामकृष्ण मलैया ने शनिवार शाम जहर खा लिया। उसे उपचार के बाद रात में ही अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। रविवार सुबह उसकी फिर से तबीयत बिगडऩे के चलते एमवाय अस्पताल में भर्ती किया गया। यहां दोपहर में उसकी मौत हो गई।

जीजा अजय ने बताया कि नवीन शनिवार शाम वह दोस्तों के साथ था। वे किसी बात को लेकर मजाक रहे थे। बात-बात में दोस्तों में जहर टेस्ट करने की शर्त लगी। इसके चलते नवीन टेस्ट करने के लिए जहर चखा। यहां तबीयत बिगड़ी तो दोस्त उसे एमवाय अस्पताल ले गए। यहां प्राथमिक उपचार के बाद उसने घर जाने का कहा।

डॉक्टरों ने कहा कि अब यह ठीक है इसलिए वह अस्पताल से शनिवार को दोस्तों के साथ घर आ गया। लेकिन दूसरे दिन यानी रविवार सुबह नवीन की तबीयत बिगडऩे लगी। कुछ देर बाद उसे उल्टियां हुईं। उसे एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे। जीजा अजय ने बताया कि यहां दोपहर 12 बजे तक इमरजेंसी में देखने वाले कोई डॉक्टर नहीं थे।

अजय ने कहा जब मैं अस्पताल खड़ा होकर चिल्लाया तो डॉक्टर आए और उन्होंने उपचार शुरू किया। लेकिन इसके तीन घंटे बाद ही अजय ने दम तोड़ दिया। वह एक फैक्ट्री में काम करता था। वह चार बहनों का इकलौता भाई है। उसके भी माता-पिता की बीमारी के चलते मौत हो चुकी है। इसके बाद वह कांटाफोड़ से उनके पास ही इंदौर आकर रहने लगा।

ब्लैकमेलर महिला को जेल भेजा

पहले कारोबारी पर रेप-ब्लैकमेल का आरोप लगाया, फिर बोली- पुलिस ने झूठा फंसाया

इंदौर। ऑनलाइन कारोबारी को रेप और ब्लैकमेल के झूठे मामले में फंसाने वाली महिला को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया है। कोर्ट ने महिला पर लगे आरोपों को सही पाया और उसे जेल भेज दिया। 7 अप्रैल को कारोबारी ने महिला के खिलाफ शिकायत की थी। पुलिस ने महिला को धारा 384 के तहत आरोपी बनाया था। इसके बाद से ही महिला फरार चल रही थी। उसके इंदौर आते ही शनिवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट के सामने पेश होने और पुलिस के पूछताछ करने के दौरान उसने महिला पुलिस अफसरों से कहा कि मुझे झूठा फंसाया गया है। उसने ब्लैकमेलिंग न रेप का झूठा केस दर्ज कराया है। अफसरों ने चार महीने तक मामले की जांच की और कोर्ट ने भी महिला पर पुलिस द्वारा लगाई गई धाराएं सही पाई।

शनिवार को सुनवाई के दौरान महिला ने कोर्ट के सामने जमानत मांगी लेकिन कोर्ट ने महिला को जेल भेज दिया। हालांकि पीड़ित कारोबारी राहुल शर्मा ने कोर्ट से अपील की है कि इसमें झूठा केस लगाने का मामला भी बनता है, इसलिए महिला पर धाराएं बढ़ाई जाना चाहिए। इस पर कोर्ट ने ब्लैकमेल करने की धारा 389 बढ़ाने के आदेश लसूडिया पुलिस को दिए हैं।

पति पर के खिलाफ भी दिया आवेदन- राहुल शर्मा ने 21 अगस्त को लसूडिया पुलिस के साथ वरिष्ठ अफसरों को आवेदन दिया। आवेदन में फरारी के दौरान मदद करने के मामले में पति पर आरोप लगाए। कहा कि पति को भी आरोपी बनाया जाए। इतना ही नहीं राहुल ने अपनी शिकायत में यह भी कहा कि दोनों ने प्रकरण से बचने के लिये तलाक के फर्जी पेपर तैयार किए हैं।

पति ने जमकर पीटा कमरे में बंद किया

इंदौर। एक महिला के साथ उसके पति ने पारिवारिक विवाद में बुरी तरह मारपीट की और कमरे में बंद कर ताला लगा दिया। जैसे-तैसे उसने मायके वालों को खबर की और पुलिस की शरण ली। हीरानगर पुलिस के मुताबिक मारपीट की घटना सुखलिया में रहने वाली सोनिया पति आशीष वर्मा निवासी सुखलिया के साथ उसके ससुराल जावरा (रतलाम) में हुई। उसकी रिपोर्ट पर आरोपी पति आशीष वर्मा निवासी गौतम विहार कॉलोनी जावरा पर केस दर्ज किया गया। महिला ने पुलिस को बताया कि पति घर की छोटी-छोटी बातों को लेकर लडाई करता है और मारपीट करता है। 23 मई को पति ने उसे गालियां दीं और कमरे में बंद कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। किसी तरह उसने मायके वालों को सूचना दी तो वह उसे यहां ले आए । पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)